पूर्व भाजपा नेता ने महिला मित्र को अब बताया 'बहन'

चार महीने बाद याददाश्त लौटी शुगरफेड के पूर्व चेयरमैन कथूरिया की

करनाल, (म.मो.) : चंडीगढ़ में एक दफ्तर की तीसरी मंजिल से छलांग लगाने वाले पूर्व भाजपा नेता और शुगरफेड के पूर्व चेयरमैन चंद्र प्रकाश कथूरिया की याददाश्त वापस आ गई है। चार महीने बाद सारे मामले में उन्होंने अपना पक्ष भी रखा है।

एक महिला से जुड़े इस कथित मामले में चर्चा का केंद्र बने कथूरिया ने अपनी सफाई पेश की है। मालूम हो कि जब महिला से जुड़ा वीडियो वायरल हुआ और कथूरिया घायल हुए तो भाजपा ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया था।

कथूरिया ने कहा कि जिस महिला के साथ उनका वीडियो वायरल हुआ था वो उनकी बहन है। उन्होंने कांग्रेस नेता सरदार त्रिलोचन सिंह और उनके रिश्तेदारों पर गंभीर आरोप लगाए। इतना ही नहीं भाजपा के कुछ लोगों पर भी कथूरिया ने निशाना साधा। हालांकि भाजपा के किसी नेता पर अपने खिलाफ साजिश रचने का न तो आरोप लगाया और न नाम लिया। वह

चन्द्र प्रकाश कथूरिया : कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन...

संकेतों में बात करते रहे। कथूरिया ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

इस बीच कांग्रेस नेता सरदार त्रिलोचन सिंह ने भी पलटवार करते हुए कहा कि सच्चाई सामने आनी चाहिए। मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए ताकि दूध का दूध पानी का पानी हो सके। उन्होंने कथूरिया के सभी आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया।

बता दें कि कथूरिया को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का बहुत करीबी बताया जाता था। इसी वजह से उन्हें शुगरफेड का चेयरमैन भी बनाया था। करीब चार महीने पहले 22 मई 2020 को चंडीगढ़ में वही कथूरिया एक मकान की दूसरी मंजिल से कूद गए। उनके पैर में चोट आई। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि कथूरिया 22 मई की शाम ऑफिशियल काम के चलते एक महिला मित्र से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान किसी ने मकान की बेल बजाई। कथूरिया सामने नहीं आना चाहते थे, इसलिए वे किसी कपड़े के सहारे पीछे बालकनी से दूसरी मंजिल से कूद गए और उनकी टांग टूट गई।

पीजीआई में भर्ती कराया

चंद्रप्रकाश के घायल होने के बाद लोगों की भीड़ भी जमा हो गई, जो वीडियो बनाने लगे। सूचना पर पुलिस उन्हें तुरंत पीजीआई लेकर पहुंची। पुलिस ने बयान लेने के लिए डॉक्टर्स से परमिशन मांगी, लेकिन डॉक्टर ने चंद्रप्रकाश को इसके लिए अनफिट बताया। चंद्रप्रकाश को फोर्टिस अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

अय्याश भाजपा नेता की करतूतें उजागर- प्रदीप छाबड़ा

इस मामले में चंडीगढ़ कांग्रेस के प्रधान प्रदीप छाबड़ा ने उस समय कहा था कि पहले हरियाणा के एक बीजेपी अध्यक्ष के बेटे की बातें लोग भूले नहीं थे। अब एक और अय्याश भाजपा नेता की करतूतें उजागर हो गई हैं। ये ही इनका चाल, चरित्र और चेहरा है।

करनाल को कोरोना विस्फोट का इंतजार जगह-जगह कूड़े के ढेर, सफाई नदारद

यह करनाल का जुंडला इलाका है, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) के बिल्कुल पास गन्दगी का यह ढेर तमाम बीमारियों को बढ़ा रहा है

करनाल, (म.मो): शहर और पूरे जिले में कोरोना के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। जनता बार-बार जिला प्रशासन का ध्यान बढ़ती गन्दगी और कूड़े के ढेर की तरफ आकर्षित कर रही है, लेकिन जनता की किसी स्तर पर कोई सुनवाई नहीं है।

करनाल में 25 सितंबर शुक्रवार को 87 कोरोना के केस सामने आए है 138 मरीज़ो को आज छुट्टी मिली। करनाल में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण से संदिग्ध कुल 70327 व्यक्तियों के सैम्पल लिए गए, जबकि इनमें से 62255 की रिपोर्ट नेगिटिव आई है तथा 6982 मामले पोजिटिव है

इस बीच जिला उपायुक्त ने कहा है कि कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए सख्ती की जाएगी। जो भी शख्स बिना मास्क बाहर निकलेगा, उसका पांच सौ रुपये का चालान काटा जाएगा। जनता का कहना है कि जिला प्रशासन सिर्फ मास्क के भरोसे कोरोना भगाना चाहता है। लेकिन उसका ध्यान कूड़े के ढेर पर नहीं है।

बहरहाल, जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने जनता को सलाह दी है कि जरूरी काम के लिए ही बाहर निकलें, मास्क का प्रयोग करें, सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखें और अपने आपको लगातार सेनिटाइज करते रहें। उपायुक्त ने अपील की है कि उनके आसपास कोई ऐसा व्यक्ति मिले जिसकी ट्रैवल हिस्ट्री बाहर की है वह तुरंत इसकी सूचना प्रशासन को दें ताकि उसके स्वास्थ्य की जांच की जा सके और लक्षण पाए जाने पर कोविड-19 का टेस्ट किया जा सके। उन्होंने बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्रशासन ने निर्णय लिया है कि जिन लोगों में कोरोना संक्रमण के लक्षण नहीं पाये जाते है, उन्हें अस्पताल में रखने की बजाय नीलोखेड़ी के नजदीक स्थित गुरूकुल में स्थापित किये गए कोविड केयर सेंटर में रखा जाता है।

खट्टर का मेदांता में इलाज कराना पहेली नहीं

करनाल, (म.मो): खट्टर सरकार ने करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज को कोरोना मरीज़ों के इलाज के लिए आरक्षित किया है लेकिन स्वयं कोरोना संक्रमित होने पर खट्टर अपने इलाज के लिए गुड़गाँव के मेदांता अस्पताल पहुँचे थे। वे अब ठीक होकर वापस काम पर आ चुके हैं।

करनाल से विधायक होते हुए भी मुख्यमंत्री खट्टर का विश्वास सरकारी मेडिकल कॉलेज में क्यों नहीं है? इसकी सीधी वजह है कि वहाँ कोरोना का इलाज भगवान भरोसे है न कि डॉक्टर और मेडिकल सुविधा के भरोसे।

डबल्यूएचओ के नोर्म्स के मुताबिक़

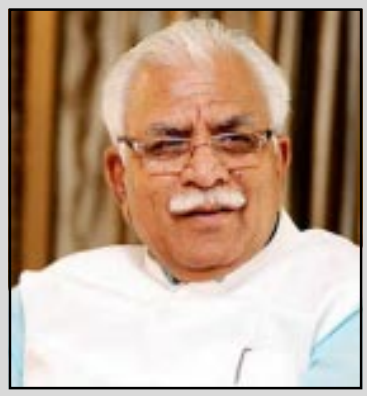

कल्पना चावला में 40 बिस्तर के कोरोना वार्ड के लिए एक प्रोफ़ेसर, दो असोसीयट प्रोफ़ेसर, चार असिस्टेंट प्रोफ़ेसर और 40 नर्स होने चाहिए। जबकि वहाँ हैं केवल एक असिस्टेंट प्रोफ़ेसर और चार नर्स। ऐसे में मरीज़ की क्या देखभाल होती होगी, कल्पना करना मुश्किल नहीं। तब खट्टर ही जानते-बूझते ख़तरा क्यों मोल लेते?

देखा जाए तो खट्टर के गुड़गाँव के मेदांता में इलाज कराने के निर्णय से करनालवासियों ने भी ऊपर वाले का शुक्र ही मनाया होगा। क्योंकि प्रदेश का मुख्यमंत्री अगर भर्ती होता तो कोरोना वार्ड का सीमित स्टाफ़ तो उन्हीं की तीमारदारी में खप जाता। तब करनाल के बाक़ी मरीज़ों का क्या होता? यानी, खट्टर ने करनाल निवासियों पर एहसान ही किया है।

पूर्व सैनिकों और उनकी पत्नियों को मदद का भरोसा

करनाल, (म.मो.): वीर एवं शहीदी दिवस करनाल में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन की ओर से नगराधीश विजया मलिक ने जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर स्थित शहीदी स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किए। नगराधीश ने कहा कि देश के लिए जान न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों को हमें सदैव याद रखना चाहिए और उसके परिवार को समाज में विशेष सम्मान मिले, इसके लिए हम सबको साझे प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक अपने हित के लिए व अपने परिवार के हित के लिए कुछ न कुछ कार्य कर रहा है, परंतु सैनिक केवल देशहित के लिए कार्य करता है।

उन्होंने 23 सितम्बर का महत्व बताते हुए कहा कि यह दिन पूरे प्रदेश में हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस के रूप में मनाते हुए हरियाणा के वीर शहीदों को समर्पित है। आज का दिन अमर शहीद राव तुलाराम को याद करते हुए मनाया जाता है जो कि रेवाड़ी के रामपुरा गांव के रहने वाले थे और आजादी के लिए अंग्रेजों से स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करते हुए शहीद हुए थे। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि देश की आबादी के हिसाब से हमारे प्रदेश से सैनिक एवं अर्ध सैनिक बलों में तैनात होने वाले सैनिकों की संख्या अधिक आबादी वाले प्रदेशों से कई गुणा अधिक है।

इस मौके पर जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय से राजबीर सिंह, वेलफेयर अधिकारी राज सिंह, ईश्वर चंद, एमएस यादव, कृष्ण चंद आदि मौजूद थे।

भाजपा ने किसान और व्यापारी को कंगाल किया: सुनील पंवार

करनाल, (म.मो.)= कांग्रेस नेता और राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डा. सुनील पंवार ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण भाजपा सरकार से हर वर्ग के लोग हताश व निराश हैं। देश का किसान और व्यापारी दर-दर की ठोकरें खा रहा है। लॉकडाउन की वजह से पहले ही पूर्ण रूप से व्यापार चौपट हो चुका है। आज व्यापारी कर्ज के बोझ के नीचे दब चुका है जिसको उबरने में लंबा समय लगेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों से किसानों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। अगर हमारे देश का किसान खुशहाल होगा तो व्यापारी, मजदूर और कर्मचारी खुशहाल होगा।

अगर हमारे देश का किसान ही लाचार और बेबस होगा तो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। सबके विकास करने के सरकार के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। जनता के सहयोग से कांग्रेस पार्टी इस सरकार को घुटने टेकने पर मजबूर कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के झूठ की जनता में पोल खुल चुकी है। जनता अब भाजपा को सत्ता से बाहर भगाने का मन बना चुकी है। जनता के आर्शीवाद से आने वाले समय में कांग्रेस प्रदेश में और देश में सरकार बनाएगी।

करनाल के जनवादियों ने बुलंद की आवाज

करनाल (म.मो.)= जनवादी महिला समिति और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति करनाल के संयुक्त तत्वावधान में जनहित की 13 मांगों को लेकर डीसी कार्यालय में राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर जरासो देवी ने कहा कि जनवादी महिला संगठनों और मानवाधिकारों के तहत 632 संगठन भारत के संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए साथ आए हैं। ये अभियान हम सभी को भारत के नागरिक होने के नाते हमारे संवैधानिक अधिकारों और आजादी पर लगातार हो रहे प्रहारों के खिलाफ एकजुट करता है।

हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के जिला सचिव राममेहर ने कहा कि हम अपने देश में धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद-लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों, नैतिकता के मूल्यों को सुरक्षित करने के लिए एकसाथ खड़े हुए हैं। पिछले कुछ सालों से लोकतांत्रिक संस्थाओं का तेजी से पतन हुआ है। न्यायपालिका और दूसरी वो सभी संस्थाएं जो देश में कानून और व्यवस्था के लिए जिम्मेदार हैं,उनकी भूमिका सवालों के घेरे में है और यही हाल हमारी संसद का भी है। इस अवसर पर जनवादी महिला समिति की जिला अध्यक्ष तोषी देवी, उपाध्यक्ष राकेश राणा, हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति करनाल की जिला सहसचिव सूरज देवी, कलीराम सैनी व रोशन लाल गुप्ता उपस्थित थे।